ed after the Annual Plan. It was inti- the new Vice-Chancellod is in the pro- mated to the State Governments that they would have to carry that liability. (*Interruptions*).

442. (The questioner (Chaudhary Harmohan Singh) was absent, for answer,

बनारस हिन्दू विश्व विद्यालयमें रिक्त पद

*443. **श्री सत्य प्रकाश मालवीय :** क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय इस समय विभाग-वार प्रोफेसरों के कितने-कितने पद रिक्त हैं और इनमें से प्रत्येक पद किस-किस तिथि से रिक्त है; और

(ख) इन रिक्तियों के क्या कारण हैं और इन सभी पदों को कब तक भर दिये जाने की संभावना है?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा और संस्कृत विकास) में उप मंत्री (कुमारी शैलजा) : (क) और (ख) एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

विवरण

(क) बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय (ब.हि.वि.) द्वारा भेजी गई सूचना के अनुसार, आज की स्थिति के अनुसार प्रोफेसरों के ग्रेड में 81 पद रिक्त हैं और विभाग-वार ब्यौरे नीचे दिये गये हैं :-

क्रम सं.	विभाग का नाम	प्रोफेसरों के रिक्त पदों की संख्या
1	2	3
	प्रौद्योगिकी संस्थान	
1.	यांत्रिकी इंजीनियरी विभाग	1
2.	सिविल इंजीनियरी विभाग	3
3.	इलैक्ट्रोनिकी इंजीनियरी सी.आर.एम.टी. विभाग	1
4.	प्रयुक्त भौतिकी विज्ञान विभाग	1
5.	प्रयुक्त रसायन विज्ञान विभाग	1
6.	प्रयुक्त गणित विभाग	1
7.	कम्प्यूटर इंजीनियरी विभाग	1
8.	मेट. इंजीनियरी विभाग	2
9.	रसायन इंजीनियरी विभाग	1
10.	सेरेमिक इंजीनियरी विभाग	3
11.	औष्ध-निर्माण विज्ञान विभाग	2
12.	बायो मेड. इंजीनियरी स्कूल	1
13.	बायो-केमिकल इंजीनियरी स्कूल	2
14.	विद्युत इंजीनियरी विभाग	2
	कुल	**22**
	कृषि विज्ञान संस्थान	
15.	कृषि विज्ञान विभाग	1
16.	शरीर विज्ञान विभाग	1
17.	कीट विज्ञान एवं कृषि जन्तु विज्ञान विभाग	1
18.	कृषि अर्थशास्त्र विभाग	1
	कुल	**4**
	चिकित्सा विज्ञान संस्थान	
19.	मूलभूत सिद्धांत विभाग	1
20.	काया चिकित्सा विभाग	1
21.	रोग विज्ञान विभाग	2
22.	शल्य शालक्या विभाग	1
23.	शल्य चिकित्सा विभाग	4
24.	पी.एस.ए. विभाग	1
25.	औषध विज्ञान विभाग	1
26.	प्राणविक जीव-विज्ञान विभाग	2
27.	आर.टी. और आर. एम. विभाग	1
28.	बाल चिकित्सा विभाग	1
29.	ई.एन.टी. विभाग	2
	कुल	**17**

1	2	3
दृश्य कला संकाय		
30. चित्रकला विभाग		1
31. कला इतिहास विभाग		1
	कुल	2
32. शिक्षा संकाय		2
संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय		
33. साहित्य विभाग		1
34. वेद विभाग		1
35. व्याकरण विभाग		1
	कुल	3
समाज विज्ञान संकाय		
36. अर्थशास्त्र विभाग		1
37. विधि संकाय		2
38. प्रबन्ध अध्ययन संकाय		2
कला संकाय		
39. अंग्रेजी विभाग		1
40. हिन्दी विभाग		1
41. संस्कृत विभाग		1
42. दर्शनशास्त्र विभाग		2
43. पत्राचार एवं जन संचार विभाग		1
44. पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग		3
45. कला इतिहास विभाग		2
46. उर्दू विभाग		1
47. तेलुगु विभाग		1
	कुल	13
विज्ञान संकाय		
48. भौतिक विज्ञान विभाग		3
49. रसायन विज्ञान विभाग		3
50. वनस्पति विज्ञान विभाग		2
51. भू-भौतिकी विभाग		1
52. भूगोल विभाग		2
53. सांख्यिकी विभाग		2
	कुल	13
	कुल जोड़ :	81

जिस तारीख से ये पद रिक्त हैं, उस संबंध में विश्वविद्यालय से सूचना की प्रतीक्षा है।

(ख) बनारस हिंदू विश्वविद्यालय एक बड़ा परिसर है जिसमें 114 स्नातकोत्तर विभाग और एक अवर स्नातक महिला संस्था है। पद रिक्त होना तथा इसको भरना एक सतत प्रक्रिया है और विश्वविद्यालय इन पदों को भरने के संबंध में कार्रवाई कर रहा है।

श्री सत्य प्रकाश मालवीय : माननीय सभापति जी, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय विश्व-विख्यात केन्द्रीय विश्वविद्यालय है, महामना मदन मोहन मालवीय जी ने इसकी स्थापना की थी और स्थापना समारोह में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी भी उपस्थित थे। आज उसके संबंध में यह उत्तर दिया गया है कि वहां पर 81 प्रोफेसर के पद रिक्त हैं। मैं ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं इसी सदन में अतारांकित प्रश्न, दिनांक 13 मार्च, 1992 के उत्तर की ओर, जिसमें मानव संसाधन विकास मंत्री द्वारा उत्तर दिया गया था कि बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय द्वारा भेजी गई सूचना के अनुसार इस समय विभिन्न विभागों में प्रोफेसरों के 92 पद रिक्त पड़े हैं और यह अधिकांश पद तीन वर्ष से अधिक समय से रिक्त हैं। आज यह जो है उत्तर छिपाया गया है कि यह पद कब से रिक्त हैं, लेकिन इस प्रकार से साढ़े चार वर्ष से वहां पर, आज के उत्तर के हिसाब से, 81 प्रोफेसर के पद रिक्त हैं। बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के जो विजिटर हैं, वह इस देश के राष्ट्रपति हैं। तो मैं आपके माध्यम से यह जानना चाहता हूं कि चूंकि इतने पद रिक्त हैं और उससे छात्रों की जो शिक्षा है उस की हानि हो रही है, वहां के विभिन्न विभाग ठीक प्रकार से नहीं चल रहे हैं, तो क्या केन्द्र सरकार इस संबंध में बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय को कोई सलाह देगी कि जल्दी से जल्दी यह जो रिक्त पद हैं, इनको भरा जाए ?

कुमारी शैलजा : सर, बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी की यहां तक बात है, वहां पर 81 पद रिक्त हैं, यह बात भी सही है

और यह जो हमारे पास इफोरमेशन है उसके मुताबिक यह पद सन् 1988 और उसके बाद से रिक्त हैं। अभी जो, the present state of affairs is such that the new Vice-Chancellor is in the process of being appointed and the appointment of the new Vice-Chancellor by the selection Committee will soon take place. And since he is the Chairman of the Selection Committee and as far as our responsibility goes, from the Centre, a nominee has been appointed by the Visitor...(Interruptions).

श्री सत्य प्रकाश मालवीय: सभापति महोदय, जैसा कि उपमंत्री जी ने बताया, वर्तमान में वहां के कुलपति का पद रिक्त है क्योंकि प्रोफेसर रा., जो वहां कुलपति थे उन्होंने करीब चार-पांच महीने पहले त्यागपत्र दे दिया। तो जो रिक्तियां बताई गई हैं, उसमें एक रिक्ति और बढ़ गई है। मैं केवल यह जानना चाहता हूं कि वहां पर प्रो-वाइस चांसलर भी होते हैं, तो जो प्रोफेसर के पद रिक्त हैं उनके भरने में क्या कठिनाई है? बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी एक्ट, जो 1915 का है, उसमें इस बात का स्पष्ट प्रावधान है कि जब कुलपति नहीं होंगे तो उनके स्थान पर प्रो० वाइस चांसलर काम करेंगे। तो इन रिक्तियों के भरने में आपकी कठिनाई क्या है?

कुमारी शैलजा: कठिनाई यह है कि यह स्टैचूट बदलना पड़ेंगे।

श्री शंकर दयाल सिंह: सर, हम लोग बी. एच. यू. के सभी एक्स-स्टूडेंट हैं, कल्पनाथ राय जी भी बैठे हैं। ... (व्यवधान)...

MR. CHAIRMAN: Even according to the statute, the Pro-Vice-Chancellor does not have the power to preside over the Selection Committee. Is it so?

KUMARI SELJA: Sir, I would not like to get into this. (*Interruptions*).

SHRI SHANKAR DAYAL SINGH: Sir, we request for your intervention here. It is a very serious thing because the BHU is an international university. Therefore, I want that you should give instructions to the Government that the posts lying vacant should be filled. They are lying vacant since 1988 and it is not good.

SHRI SATYA PRAKASH MALAVIYA: There is a provision in the BHU Act of 1915 that when there is no Vice-Chancellor, the Pro-Vice-Chancellor will function as the Vice-Chancellor and he has got all the powers of the Vice-Chancellor. The Government should take immediate steps to appoint a Vice-Chancellor.

MR. CHAIRMAN: I should like to urge upon the Government to speed up the appoint of the Vice-Chancellor and also the appointment of people to the vacant posts.

SHRI TRILOKI NATH CHATURVEDI: Sir, you have already given the kind of directive that was necessary. Sir, I am aware that in the Banaras Hindu University, which is a Central University, vacancies have been existing not only from 1988 but some vacancies have been existing even before 1988. A number of times selection committees are appointed, particularly, for professors but meetings do not take place and at the last minute, these selection committees are dissolved. That is one of the reasons for this. I would request the Ministry of Education, through you, Sir, that a case study may be made as to how and to what extent, during the last ten years, these selection committees have been formed; how many times these committees have met; how many times the people have arrived to attend them and how many times these selection committees have been dissolved. I am aware that some of the vacancies existed even when I had got a chance to work in the Ministry of Education for a few months. Will the Ministry make a case study as to how many times selection committees have been constituted; how many times they have met and how many times they have been dissolved causing needless expenditure of Government money and also waste of time

and money of those persons who come to attend the meetings of those committees?

KUMARI SELJA: Sir, we share the concern of the hon. Member and we are willing to go along with him.

MR. CHAIRMAN: Shri Virendra Kataria.

SHRI VIRENDRA KATARIA: Sir, I don't want to put a supplementary on this question. My supplementary related to Question No. 442.

MR. CHAIRMAN: I thought you are asking a supplementary.

SHRI VIRENDRA KATARIA: I requested for a supplementary in respect of Question No. 442.

MR. CHAIRMAN: Anyway, you did not get up before I called the next Question. Well, then I go to the next Question. Question No. 444.

National Poultry Development Board

*444. DR. NARREDDY THULASI REDDY: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether there is any proposal under Government's consideration to constitute a National Poultry Development Board on the lines of the National Dairy Development Board;

(b) if so, the details thereof; and

(c) if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI ARVIND NETAM): (a) and (b) There is a proposal to constitute a National Poultry Development Board; the details of which are being worked out.

(c) Does not arise.

DR. NARREDDY THULASI REDDY: Sir, I am glad for getting a partial positive answer from the Minister, who has stated that there is a proposal to constitute a National Poultry Development Board. Sir, 1½ years back, the same answer was given in this august House by the then Minister of State for Agriculture, Shri Lenka Ji. But so far, a National Poultry Development Board has not been constituted. Therefore, will the hon. Minister give a categorical assurance regarding the time-frame for constituting the National Poultry Development Board?

श्री अरविन्द नेताम : सर, यह नेशनल पोलट्री डेवलपमेंट बोर्ड की स्थापना के बारे में, यह बात सही है कि मेरे सहयोगी ने पिछले साल भी यही दलील दी। इसमें जो भारत सरकार ने, बहुत से स्टेजिस में इस संबंध में चर्चा करना शेष रह गया है और अभी भी चर्चा चल रही है। इसलिए अभी यह कहना कि कब हो जाएगा, यह तो मुश्किल है मेरे लिए, लेकिन फिर भी हम कोशिश कर रहे हैं इसकी जल्दी से जल्दी स्थापना करने की।

DR. NARREDDY THULASI REDDY: Sir, 1½ years back, the same answer was given. But still they are not in a position to give the time-frame.

MR. CHAIRMAN: The Board is being hatched.

DR. NARREDDY THULASI REDDY: My second supplementary is, all over the world, poultry is recognised as an integral part of agriculture. The National Commission on Agriculture, the NABARD and the various financial institutions also treat poultry as an agricultural activity. But most of the States and the Union Territories have not granted agricultural status to poultry farming.

SHRI ARVIND NETAM: Sir, this is a good suggestion from the hon. Member and we will certainly take up this matter with the State Governments.

श्री भूपेन्द्र सिंह मान : सभापति जी जो नेशनल डेरी डवलपमेंट बोर्ड है वह किसानों के हित में जाने के बजाय लिबरेलाइजेशन के विरोध में जा रहा है। किसानों को दूध मंडी में बेचने के बजाय वह कैन्चर कर रहा है। उसको बेचने